

देहरादून में जुटेंगे सुरंग नरिमाण से जुड़े दुनिया के 600 वशिषज्ज

चर्चा में क्यों?

22 दसिंबर, 2022 को उत्तराखंड के लोक नरिमाण वभिण के प्रमुख सचवि आरके सुधांशु ने बताया कि हिमालयी क्षेत्र में सुरंग नरिमाण की संभावनाओं को तलाशने के लयि अगले वर्ष 17 से 21 अप्रैल तक देहरादून में अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार होगा, जसिमें सुरंग बनाने और उसकी डिज़ाइन व तकनीक से जुड़े 148 देशों के 600 से ज़्यादा वशिषज्ज शामिल होंगे ।

प्रमुख बदि

- लोक नरिमाण वभिण के प्रमुख सचवि आरके सुधांशु ने बताया कि देहरादून में प्रस्तावति अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में वशिषज्जों द्वारा टनल की एडवांस डिज़ाइन, कंस्ट्रक्शन और ऑपरेशन वषिय पर चर्चा की जाएगी ।
- इस सेमिनार में केंद्रीय सड़क, परविहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के साथ इंडियन रोड कॉन्ग्रेस व परमानेंट इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ रोड कॉन्ग्रेस (पीआईआरसी), इंटरनेशनल टनलिंग एंड अंडरग्राउंड स्पेस एसोसिएशन (आईटीए) सहयोगी रहेंगे ।
- सेमिनार में 148 देशों के इंजीनियरों, वशिषज्जों और सुरंग नरिमाण से जुड़ी ख्यातलिब्ध कंपनयिों के वशिषज्जों को आमंत्रति कयिा जाएगा ।
- इस सेमिनार में 17 व 18 अप्रैल को बैठकें होंगी । 19 से 20 अप्रैल को सेमिनार होगा । 21 अप्रैल को वभिन्नि देशों के प्रतिनिधि टेक्निकल वजिटि करेगे ।
- उनहोंने बताया कि इस आयोजन से उत्तराखंड को वैश्वकि स्तर पर पहचान मलिगी । वही, प्रतभिणयिों को ऋषकिश-करणप्रयाग रेल लाइन और ऑलवेदर रोड परयोजना के तहत बन रही सुरंगों के साथ ही प्रमुख पर्यटक स्थलों की सैर कराई जाएगी ।
- सेमिनार के दौरान दुनिया के दूसरे मुलकों में सुरंग नरिमाण में इस्तेमाल हो रही मशीनों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी ।
- गौरतलब है कि उत्तराखंड राज्य का अधकिंश भूभाग परवतीय है । राज्य में टनल नरिमाण से परवतीय क्षेत्र में आवागमन आरामदायक व सुलभ बनाने और यात्रा का समय कम करने का प्रयास हो रहा है । राज्य को टनल नरिमाण की नवीनतम तकनीक की जानकारी मलिगी ।
- वदिति है कि वर्तमान में रेलवे वकिास नगिम ऋषकिश से करणप्रयाग के बीच 125 कमी. लंबी रेलवे लाइन बना रहा है । इसमें 105 कमी. लंबाई में टनल बनाई जा रही है । पर्यटन व आर्थकि वकिास के लहिाज से यह अत्यंत लाभदायक है ।
- ज्ञातव्य है कि केंद्रीय सड़क परविहन एवं राजमार्ग मंत्री नतिनि गडकरी द्वारा मसूरी टनल का शलान्यास मार्च में कयिा जाएगा ।